छह माह में तीन लाख महिलाओं ने अपनाया स्वरोजगार

लखनवी महिलाएं उद्यमिता में गढ़ रहीं नया आसमान

वित्तीय वर्ष 2024-25 में करीब 3472 करोड़ रुपये का कर्ज लेकर शुरू किया काम

आशीष गुप्ता

लखनऊ। रायबरेली की रहने वाली तृप्ति बनर्जी की चार साल पहले प्राइवेट नौकरी छूटी तो उन्होंने उद्यम में हाथ आजमाया। बाजार टटोला तो सुपर फूड की कमी मिली। पति की मदद से मुंबई में जाकर ट्रेनिंग ली। लखनऊ में माल रोड पर 1.5 एकड़ जमीन किराये पर लेकर शैवालों पर काम शुरू किया। इसके लिए 20 लाख रुपये का कर्ज लिया।

अब वह फूड सप्लीमेंट बनाने वाली कंपनियों को कच्चे माल की आपूर्ति करती हैं। इनका मासिक टर्नओवर करीब तीन लाख रुपये का मासिक टर्नओवर है। तृप्ति की तरह ही आशियाना की रहने वाली शब्बा राय छोटे काम से बड़े उद्यम की ओर कदम बढ़ाया। पहले सिलाई करती थीं। हिम्मत जुटाकर मोहनलालगंज रोड पर परवर पश्चिम में प्लाई व लकड़ी के दरवाजे बनाने का काम शुरू किया। जल्द ही काम में और बढ़ोतरी करेंगी।

चार लाख महिलाओं ने स्वरोजगार के लिए लिया कर्ज तृप्ति की तरह ही लखनऊ में बड़ी संख्या में महिलाएं उद्यमिता की

अपराजिता
100 MILLION SMILES

तृप्ति बनर्जी व शब्बा राय

दिशा में कदम बढ़ा रही हैं। वित्तीय वर्ष 2024-25 में अप्रैल से सितंबर तक के आंकड़े तो चौंकाने वाले हैं। इन छह माह में जिलेभर में 3,00,239 महिलाओं ने स्वरोजगार के लिए 3472 करोड़ रुपये का कर्ज लिया। छोटी-बड़ी करीब 40 बैंकों ने विभिन्न योजनाओं के तहत ये ऋण दिया है। राज्य स्तरीय बैंकर्स कमेटी (एसएलबीसी) की रिपोर्ट के मुताबिक, तीन महीने बाद अब इनकी संख्या बढ़कर करीब चार लाख और कर्ज की राशि बढ़कर 4000 करोड़ होने का अनुमान है।

■ **सरकारी से ज्यादा निजी बैंकों ने बांटा कर्ज :** महिलाओं को कर्ज बांटने में निजी क्षेत्र की बैंकों का योगदान ज्यादा रहा। एक्सिस, आईसीआईसीआई, बंधन और एचडीएफसी समेत 16 बैंकों ने 2,67,124 महिला उद्यमियों को 2045.03 करोड़ रुपये का कर्ज दिया। इसमें कोटक महिंद्रा बैंक ने सबसे ज्यादा 2,29,867 महिलाओं को 1159 करोड़ का कर्ज बांटा है। राष्ट्रीयकृत बैंकों ने कुल 26,144 महिलाओं को 1371.54 करोड़ का कर्ज दिया है। इसमें एसबीआई ने सबसे ज्यादा 7061 महिलाओं को 371 करोड़ का कर्ज दिया है।

1159

महिलाओं को कोटक महिंद्रा बैंक ने सबसे ज्यादा बांटा कर्ज

जानिए, किस बैंक ने कितना दिया कर्ज

बैंक	महिला उद्यमी	कर्ज (करोड़ में)
राष्ट्रीयकृत बैंक	26144	1371.54
निजी बैंक	267124	2045.03
क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक	340	6.48
को-ऑपरेटिव बैंक	57	3.16 करोड़
स्मॉल फाइनेंस बैंक	6574	46.3
कुल 40 बैंक	300239	3472.51

महिलाएं उद्यम को दे रहीं रफ्तार

महिलाएं उद्यम को रफ्तार दे रही हैं। हालांकि, ग्रामीण क्षेत्रों में अभी इसका अभाव है। इसलिए गांव-गांव में वित्तीय साक्षरता अभियान चलाकर महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए जागरूक किया जा रहा है। लखपति दीदी योजना इसमें काफी अहम है। महिलाएं स्वावलंबी बनें, इसके लिए सभी बैंक मिलकर प्रयास कर रहे हैं।

-मनीष पाठक, एलडीएम, लखनऊ